Question Bank-SET- A

कक्षा – दसवीं

विषय – हिन्दी

सामान्य निर्देश :

***इस प्रश्न पत्र में केवल बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे गए हैं**

I-निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए । 1x5=5

विद्यार्थी जीवन साधना और तपस्या का जीवन है। यह काल सांसारिक भटकाव से स्वयं को दूर रखने का काल है, परंतु आज का विद्यार्थी वर्तमान के स्थान पर अपने भविष्य के प्रति अधिक चिंतित है। उसका भविष्य कैसा होगा, वह भविष्य में क्या बनेगा? इस प्रश्न को सुलझाने के विषय में सोचिए जरूर, लेकिन भविष्य को वर्तमान पर हावी मत होने दीजिए, क्योंकि वर्तमान ही भविष्य की नींव बन सकता है। अतः नींव को मजबूत बनाने के लिए आवश्यक है कि भान तो भविष्य का भी हो, लेकिन ध्यान वर्तमान पर रहे।

अत: आपकी सफलता का मूलमंत्र यही हो सकता है कि आप एक स्वप्न लें, सोचें, कि आपको क्या बनना है, क्या करना है और स्वप्न के अनुसार कार्य करना प्रारंभ करें। वर्तमान रूपी नींव को मजबूत करें और यदि वर्तमान रूपी नींव बनती गई, तो भविष्य रूपी इमारत भी अवश्य बन जाएगी। जितनी मेहनत हो सके, उतनी मेहनत करें और निराशा को जीवन में स्थान न दें। यह सोचत हुए समय खराब न करें कि हे भगवान! मेरा क्या होगा, मैं सफल भी हो पाऊँगा या नहीं? ऐसा करने से आपका समय नष्ट होगा और जो समय नष्ट करता है, समय उसे नष्ट कर देता है।

प्रश्न –1आज का विद्यार्थी किसके लिए अधिक चिंतित है?
(क) स्कूल के पाठ्यक्रम से
(ख) परीक्षाफल के डर से
(ग) सफलता न मिलने के डर से
(घ) भविष्य के लिए

प्रश्न –2 विद्यार्थी को वर्तमान की अपेक्षा भविष्य पर कम ध्यान देनाचाहिए, क्योंकि
(क) वर्तमान ही जीवन है।
(ख) वर्तमान ही भविष्य का आधार है
(ग) वर्तमान बलवान है
(घ) वर्तमान दीर्घकालिक है

प्रश्न –3 गद्यांश में विद्यार्थियों के लिए क्या प्रेरणा दी गई है?
(क) वर्तमान रूपी नींव मजबूत बनाना
(ख) भविष्य के बारे में सोचना
(ग) भविष्य के बारे में न सोचना
(घ) मेहनत करना

प्रश्न –4 'हे भगवान! मेरा क्या होगा।' वाक्य का कौन–सा भेद है?
(क) संदेहवाचक
(ख) विस्मयवाचक
(ग) विधानवाचक
(घ) संकेतवाचक

प्रश्न –5 प्रस्तुत गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक चुनिए।
(क) जीवन का लक्ष्य
(ख) विद्यार्थी और भविष्य
(ग) समय का सदुपयोग
(घ) आज का विद्यार्थी
अथवा
1x5=5

II-परिवर्तन प्रकृति का नियम है और परिवर्तन ही अटल सत्य है। वातावरण में भी नित्य परिवर्तन हो रहा है, परंतु वर्तमान समय में यह विचारणीय विषय है कि जो पर्यावरण में परिवर्तन एक शताब्दी में होते थे, उतने परिवर्तन अब एक दशक में ही परिलक्षित होने लगे हैं। इस परिवर्तन के मुख्य कारण हैं– बढ़ती आबादी, वैज्ञानिक व तकनीकी उन्नति एवं नए–नए उपकरणों का अंधाधुंध प्रयोग। वातावरण के तापमान में उत्तरोत्तर वृद्धि हो रही है, जिसका सीधा असर ग्लेशियरों पर दिखाई दे रहा है।
ओज़ोन परत जो जीवमंडल के लिए रक्षा कवच है, जो सूर्य की पराबैंगनी घातक किरणों के विकिरण को रोकती है, उसमें क्षय महसूस किया जा रहा है। ओजोन परत पर क्लोरोफ्लोरो कार्बन, प्रशीतक उपकरण तथा नाभिकीय विस्फोट भी अपना दुष्प्रभाव डाल रहे हैं। आइए, हम सब मिलकर चिंतन करें एवं पर्यावरण के लिए उचित निवारण विधि सोचें।

प्रश्न –6 सूर्य की पराबैंगनी किरणों को रोकने में कौन सहायकहोता है?
(क) ओजोन परत
(ख) नाभिकीय विस्फोट
(ग) तकनीकी उन्नति
(घ) पर्यावरण

प्रश्न –7 ओज़ोन परत पर दुष्प्रभाव पड़ता है

(क) क्लोरोफ्लोरो कार्बन का
(ख) नाभिकीय विस्फोट का
(ग) ग्लेशियरों का
(घ) क्लोरोफ्लोरो कार्बन, प्रशीतक उपकरण एवं नाभिकीय विस्फोट का

प्रश्न –8 ग्लेशियरों पर सीधा असर डाल रहे हैं
(क) चंद्रमा की किरणें
(ख) केवल बढ़ती आबादी
(ग) बढ़ती आबादी, वैज्ञानिक एवं तकनीकी सुविधाजनक उपकरण

(घ) केवल सूर्य का ताप

प्रश्न -9 'पर्यावरण' शब्द का संधि-विच्छेद है
क) पर्या + वरण
(ख) पर्य + आवरण
(ग) पर्याव +रण
(घ) परि + आवरण

प्रश्न -10 प्रस्तुत गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक चुनिए।
(क) पर्यावरण का दोहन
(ख) ग्लोबल वार्मिंग
(ग) पर्यावरण में परिवर्तन
(घ) पर्यावरणपरिवर्तन: चिंता का विषय

III.निम्नलिखित अपठित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए ।1X5=5

तेजस्वी सम्मान खोजते नहीं गोत्र बतला के,
पाते हैं जग में प्रशस्ति अपना करतब दिखला के|
हीन मूल की ओर देख जग गलत कहे या ठीक,
वीर खींच कर ही रहते हैं इतिहासों में लीक।
जिसके पिता सूर्य थे, माता कुंती सती कुमारी,
उसका पलना हुआ घार पर बहती हुई पिटारी।
सूत-वंश में पला चखा भी नहीं जननि का क्षीर,
निकला कर्ण सभी युवकों में तब भी अद्‌भुत वीर ।
तन से समरशूर मन से भावुक, स्वभाव से दानी,
जाति-गोत्र का नहीं, शील का, पौरुष का अभिमानी।
सान-ध्यान, शस्त्रास्त्र शास्त्र का कर सम्यक् अभ्यास,
अपने गुण का किया कर्ण ने आप स्वयं सुविकास।

प्रश्न -11संसार में तेजस्वी लोग वही होते हैं, जो
(क) अपना कुल-शील बतलाकर प्रशस्ति पाते हैं
(ख) अपने मुख से अपने गुणों का बखान करते हैं
(ग) अपना गोत्र बतलाकर नहीं, करतब दिखलाकर यश पाते हैं
(घ) माता-पिता के धन की बदौलत यशस्वी दिखाई देते हैं

प्रश्न -12 'इतिहासों में लीक' खींचने से कवि का क्या आशय है?
(क) वीर पुरुष इतिहास में दरार डाल देते हैं
(ख) वीर पुरुष कभी भी अपने अतीत से नहीं डरते
(ग) वीर पुरुष हमेशा इतिहास में छाए रहते हैं,
(घ) वीर पुरुष अपना नाम इतिहास में लिखवा ही लेते हैं

प्रश्न -13 कर्ण किस प्रकार के गुणों से युक्त महारथी थे?
(क) जाति-वंश के गुणों से

(ख) शील और पौरुष जैसे श्रेष्ठ गुणों से
(ग) चाटुकारिता और बनावटीपन से
(घ) अहंकार और दर्प से

प्रश्न –14 पैदा होने पर कर्ण को कैसे पालने में झुलाया गया था?

(क) जलधारा पर बहती हुई पेटी के पालने में
(ख) रेशमी धागों से बुने पालने में
(ग) निबाड़ से बुने हुए पालने में
(घ) लोहे के संदूकनुमा पालने में

प्रश्न –15 कविता में कर्ण को तन, मन और स्वभाव से क्रमशःबताया गया है

(क) क्षीण, कृपण और कुटिल
(ख) बलिष्ठ, भावुक और कृपण
(ग) समरशूर, भावुक और दानी
(घ) कायर, भावुक और कृपण

अथवा

IV. जब बचपन तुम्हारी गोद में 1x5=5
आने से कतराने लगे,
जब माँ की कोख से झांकती जिंदगी
बाहर आने से घबराने लगे,
समझो कुछ गलत है।
जब तलवारें फूलों पर, जोर आजमाने लगे
जब मासूम आँखों में खौफ़ नज़र आने लगे
समझो कुछ गलत है।
जब किलकारियाँ सहम जाएँ
जब तोतली बोलियाँ, खामोश हो जाएँ, समझो.....
कुछ नहीं, बहुत कुछ गलत है।
क्योंकि जोर से बारिश होनी चाहिए थी,
पूरी दुनिया में, हर जगह, टपकने चाहिए थे आँसू,
रोना चाहिए था ऊपर वाले को, आसमाँ से फूट–फूट कर,
शर्म से झुकनी चाहिए थी इंसानी सभ्यता
की गर्दने, शोक का नहीं, सोच का वक्त है
मातम नहीं, सवालों का वक्त है
अगर इसके बाद भी सर उठा कर
खड़ा हो सकता है इंसान
समझो कि बहुत कुछ गलत है।

प्रश्न –16माँ की कोख से झाँकतीजिंदगी को घबराहट क्यों हो सकती है?
(क) उसे बाहर की असुरक्षा का आभास हो रहा है
(ख) उसे प्रदूषण का डर सता रहा है

(ग) उसे माँ ने बाहर की वास्तविकता बताई है
(घ) बाहर का मौसम अनुकूल नहीं है

प्रश्न –17 'जब तलवारें फूलों पर जोर आजमाने लगें, जब मासूम आँखों में खौफ़ नज़र आने लगे' – का तात्पर्य है
(क) जब मासूमों पर अत्याचार होने लगे।
(ख) मानव अपने स्वार्थ के लिए उद्यान उजाड़ने लगे
(ग) जब मासूम बच्चों को भय के बिना रहना पड़े
(घ) जब मासूम आपस में लड़ने लगें

प्रश्न –18कवि के अनुसार बहुत गलत कब है?

(क) जब ओस तलवार की नोंक पर गिरे
(ख) जब मासूम सहम जाएँ
(ग) जब बचपन समाप्ति की कगार पर हो।
(घ) जब किलकारियों की गूंज खामोश हो जाए

प्रश्न –19कुछ भी गलत नहीं है, यदि
(क) बचपन गोद में आने लगे
(ख) बच्चों पर अत्याचार होने लगे
(ग) बाल श्रम बढ़ जाए
(घ) भ्रूण हत्या होने लगे

प्रश्न –20कवि के अनुसार अभी किसका वक्त है?

(क) सोच–विचार का
(ख) दुःख मनाने
(ग) उत्सव मनाने का
(घ) मासूमों का

V.निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए । 1x5=5

हमारैं हरि हारिल की लकरी।
मन क्रम बचन नंद–नंदन उर, यह दृढ़ करि पकरी।
जागत सोवत स्वप्न दिवस–निसि, कान्ह–कान्ह जकरी।
सुनत जोग लागत है ऐसौ, ज्यौं करुई ककरी ।।
सुतौ ब्याधि हमकौं लै आए, देखी सुनी न करी।

यह तौ 'सूर' तिनहिं लै सौंपौ, जिनके मन चकरी।

प्रश्न -21गोपियों ने अपनी तुलना हारिल के पक्षी से क्यों की है?

(क) हारिल पक्षी सदैव लकड़ी लिए उड़ता है
(ख) गोपियों को हारिल पक्षी पसंद है

(ग) श्रीकृष्ण के प्रति अपने एकनिष्ठ प्रेम के कारण
(घ) श्रीकृष्ण के प्रति अपनी नाराज़गी के कारण

प्रश्न-22'नंद-नंदन' विशेषण किसके लिए प्रयुक्त हुआ है ?
(क) श्रीकृष्ण के लिए
(ख) उद्धव के लिए
(ग) गोपियों के लिए
(घ) नंद के लिए
प्रश्न -23गोपियाँ किसे व्याधि कह रही हैं?
(क) उद्धव की बातों को
(ख) उद्धव के योग ज्ञान को
(ग) श्रीकृष्ण के विरह को
(घ) श्रीकृष्ण के प्रेम को

प्रश्न 24गोपियों को योग-साधना कैसी लगती है?
(क) हारिल की लकड़ी की तरह
(ख) हारिल पक्षी के समान
(ग) जिसेहमेशा देखा हो
(घ) कड़वी ककड़ी के समान

प्रश्न 25गोपियाँ योग का संदेश किनके लिए उपयुक्तसमझती हैं?
(क) जो श्रीकृष्ण से प्रेम नहीं करते
(ख) जिनका मन स्थिर नहीं है
(ग) जिनका मन स्थिर है
(घ) श्रीकृष्ण के लिए

अथवा

VI. हरि हैं राजनीति पढ़ि आए। समुझी बात कहत मधुकर के, समाचार सब पाए।1X5=5
इक अति चतुर हुते पहिले ही, अब गुरु ग्रंथ पढ़ाए।

बढ़ी बुद्धि जानी जो उनकी, जोग-सँदेस पठाए।

ऊधौ भले लोग आगे के, पर हित डोलत धाए।

अब अपनै मन फेर पाइहैं, चलत जो हुते चुराए।

ते क्यौं अनीति करैं आपुन, जे और अनीति छुड़ाए।

राज धरम तौयहै 'सूर', जो प्रजा न जाहिं सताए।

प्रश्न -26गोपियों के अनुसार राजनीति कौन पढ़ आए हैं?
(क) उद्धव
(ख) श्रीकृष्ण
(ग) ब्रज के लोग
(घ) मथुरा के लोग

प्रश्न –27 गोपियों के अनुसार पहले के लोग भले क्यों थे?
(क) वे परोपकारी थे
(ख) उनमें संवेदना थी
(ग) उन्हें योग–संदेश से मतलब नहीं था
(घ) उनसे किसी को कष्ट नहीं था

प्रश्न –28 सच्चा राजधर्म क्या है?
(क) प्रजा के साथ अन्याय करना
(ख) प्रजा को सताया न जाना
(ग) प्रजा के हित का ध्यान रखना।
(घ) प्रजा की रक्षा न करना

प्रश्न –29'गुरु ग्रंथ' किसने पढ़ लिया है?
(क) उद्धव ने
(ख) गोपियों ने
(ग) मथुरा के लोगों ने
(घ) श्रीकृष्ण ने

प्रश्न –30'जोग' कैसा शब्द है ?
(क) तद्भव
(ख) तत्सम
(ग) विदेशी
(घ) देशज

VII. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए । 1x5=5

नाथ संभुधनु भंजनिहारा।

होइहि केउ एक दास तुम्हारा।

आयेसु काह कहिअ किन मोही।

सुनि रिसाइ बोले मुनि कोही।

सेवकु सो जो करै सेवकाई ।
अरिकरनी करि करिअ लराई।।
सुनहु राम जेहि सिवधनु तोरा ।
सहसबाहु सम सो रिपु मोरा ।।
सो बिलगाउ बिहाइ समाजा।
न त मारे जैहहिं सब राजा।।
सुनि मुनिबचन लखन मुसुकाने।
बोले परसुधरहि अवमाने।
बहु धनुही तोरी लरिकाईं ।
कबहुँ न असि रिस कीन्हि गोसाईं ।।
येहि धनु पर ममता केहि हेतू।
सुनि रिसाइ कह भृगुकुलकेतू ।।

प्रश्न –31'कोही' विशेषण किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?
(क) लक्ष्मण के लिए
(ख) रामजी के लिए
(ग) साधुओं के लिए
(घ) मुनि परशुराम के लिए

प्रश्न –32प्रस्तुत काव्यांश में 'गोसाईं' किसे बोलागया है?
(क) परशुराम को
(ख) रामजी को
(ग) लक्ष्मण को
(घ) ये सभी

प्रश्न –33प्रस्तुत काव्यांश में श्रीराम ने स्वयं को किसका दास बताया है?
(क) हनुमान का
(ख) शिव का
(ग) परशुराम का
(घ) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न –34परशुराम ने 'सेवक' किसे कहा है?
(क) सेवा धर्म का पालन करने वाले को
(ख) लड़ाई करने वाले को
(ग) धनुष तोड़ने वाले को
(घ) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न –35लक्ष्मण ने शिव धनुष की तुलना किससे की है?
(क) हाथ के बने धनुषों से
(ख) बचपन में खेलते हुए तोड़े गए धनुषों से
(ग) नकली धनुषों से
(घ) इनमें से कोई नहीं

अथवा

VIII.लखन कहा हसि हमरे जाना। सुनहु देव सब धनुष समाना ।। 1 x 5 =5

का छति लाभु जून धनु तोरें ।देखा राम नयन के भोरें ।।
छुअत टूट रघुपतिहु न दोसू। मुनि बिनु काज करिअ कत रोसू॥
बोले चितै परसु की ओरा। रे सठ सुनेहि सुभाऊ न मोरा ।।
बालकु बोलि बधौं नहिं तोही। केवल मुनि जड़जानहि मोही।।
बाल ब्रह्मचारी अति कोही ।बिस्व बिदित क्षत्रियकुल द्रोही।।
भुजबल भूमि भूप बिनु कीन्ही।बिपुल बार महिदेवन्ह दीन्ही ।।
सहसबाहुभुजछेदनिहारा। परसु बिलोकु महीपकुमारा।।
मातु पितहि जनि सोचबस करसि महीसकिसोर।
गर्भह के अर्भक दलन परसु मोर अति घोर ।।

प्रश्न –36'सभी धनुष एक समान होते हैं'– यह किसने कहा?
(क) राम ने
(ख) परशुरामने
(ग) लक्ष्मण ने
(घ) मुनि विश्वामित्र ने

प्रश्न –37लक्ष्मण ने भगवान शिव का धनुष टूटने का क्या कारण बताया?
(क) श्रीराम के छूने मात्र से यह टूट गया
(ख) सामान्य धनुष था इसलिए टूट गया
(ग) लकड़ी का धनुष था इसलिए टूट गया
(घ) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न –38परशुराम ने क्रोधित होकर लक्ष्मण को अपने बारे में क्याबताया?
(क) बाल ब्रह्मचारी हूँ
(ख) अत्यंत क्रोधी स्वभाव का हूँ
(ग) विश्व में क्षत्रिय कुल के शत्रु के रूप में विख्यात हूँ
(घ) उपरोक्त सभी

प्रश्न –39परशुराम ने लक्ष्मण को क्या समझकर उनका वध न करने की बात कही?
(क) बालक
(ख) राजा
(ग) क्षत्रिय
(घ) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न –40परशुराम ने लक्ष्मण को क्या चेतावनी दी?
(क) माता– पिता को चिंता में मत डाल
(ख) बालकों के समान बने रहो
(ग) वाद– विवाद मत कर
(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

IX. निम्नलिखित प्रश्नों को पढ़कर सही विकल्पों का चुनावकीजिए । 1x10=10

प्रश्न –41'कोध' की अधिकता में किस रस की निष्पत्ति होती है?
(क) वीर रस
(ख) रौद्र एस
(ग) भयानक रस
(घ) करुण रस

प्रश्न –42 'शोक' किस रस का स्थायी भाव है?
(क) हास्य रस
(ख) करुण रस
(ग) शृंगार रस
(घ) शांत रस

प्रश्न –43 'निर्वेद' किस रस का स्थायी भाव है?
(क) शांत रस
(ख) करुण रस
(ग) हास्य रस
(घ) शृंगार रस

प्रश्न –44 'वीभत्स रस' का स्थायी भाव है।
(क) उत्साह
(ख) शोक
(ग) जुगुप्सा
(घ) हास

प्रश्न –45शृंगार रस का स्थायी भाव
(क) रति
(ख) शोक
(ग) उत्साह
(घ) निर्वेद

प्रश्न –46किस रस को 'रसराज' भी कहा जाता है?
(क) वीर रस
(ख) शृंगार रस
(ग) शांत रस
(घ) करुण रस

प्रश्न –47भय की अधिकता में किस रस की निष्पत्ति होती है?
(क) वीर रस
(ख) करुण रस
(ग) भयानक रस
(घ) रौद्र रस

प्रश्न –48 'लौकिक वस्तुओं के प्रति उदासीनता' किस रस कीविशेषता है?

(क) भक्ति रस

(ख) वीर रस

(ग) करुण रस
(घ) शांत रस

प्रश्न –49अद्भुत रस का स्थायी भाव लिखिए।
(क) भय
(ख) विस्मय
(ग) क्रोध

(घ) उत्साह

प्रश्न –50 निम्नलिखित काव्य पंक्तियों में रस पहचानकर लिखिए

'उस काल मारे क्रोध के, तनु काँपने उनका लगा
मानो हवा के जोर से, सोता हुआ सागर जगा'

(क) शृंगार रस
(ख) वीर रस
(ग) रौद्र रस
(घ) शांत रस